NaiDuniya (Indore), 03rd May 2026, Page-01

विकास हमारी प्राथमिकता, लेकिन राशि का सदुपयोग होना चाहिए : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल : मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि प्रकृति अनुकूल स्थापत्य हमारे वास्तु का आधार है। वर्तमान में बड़ी चुनौती यह है कि हम कंक्रीट के बढ़ते जंगलों और सिमटते प्राकृतिक संसाधनों के बीच खड़े हैं। पर्यावरण अनुकूल निर्माण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। हमें गर्व होना चाहिए कि विद्वान वास्तुकार राजा भोज द्वारा विकसित भोपाल इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। विकास हमारी प्राथमिकता है, लेकिन अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग होना चाहिए।

वे शनिवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, जल संचयन में डिंडौरी और खंडवा जिले देश में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान आइआइटी इंदौर और लोक निर्माण विभाग के बीच निर्माण तकनीकों के आदान-प्रदान के लिए एमओयू किया गया।

- पीडब्ल्यूडी और इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस के सम्मेलन में ग्रीन बिल्डिंग की चर्चा
- पीडब्ल्यूडी और आइआइटी इंदौर के बीच निर्माण तकनीकों के लिए एमओयू

पीडब्ल्यूडी और आइआइटी इंदौर के बीच एमओयू के दौरान सीएम डा. मोहन यादव। • सौ. जनसंपर्क विभाग

ग्रीन बिल्डिंग की नई तकनीकें विकसित करने का प्रयास : राकेश सिंह

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा लोक निर्माण विभाग ने अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को शामिल किया है। प्रदेश में हाईवे और फ्लाईओवर्स को रेन वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक के साथ तैयार किया जा रहा है। प्रदेश ग्रीन टेक्नोलाजी के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।